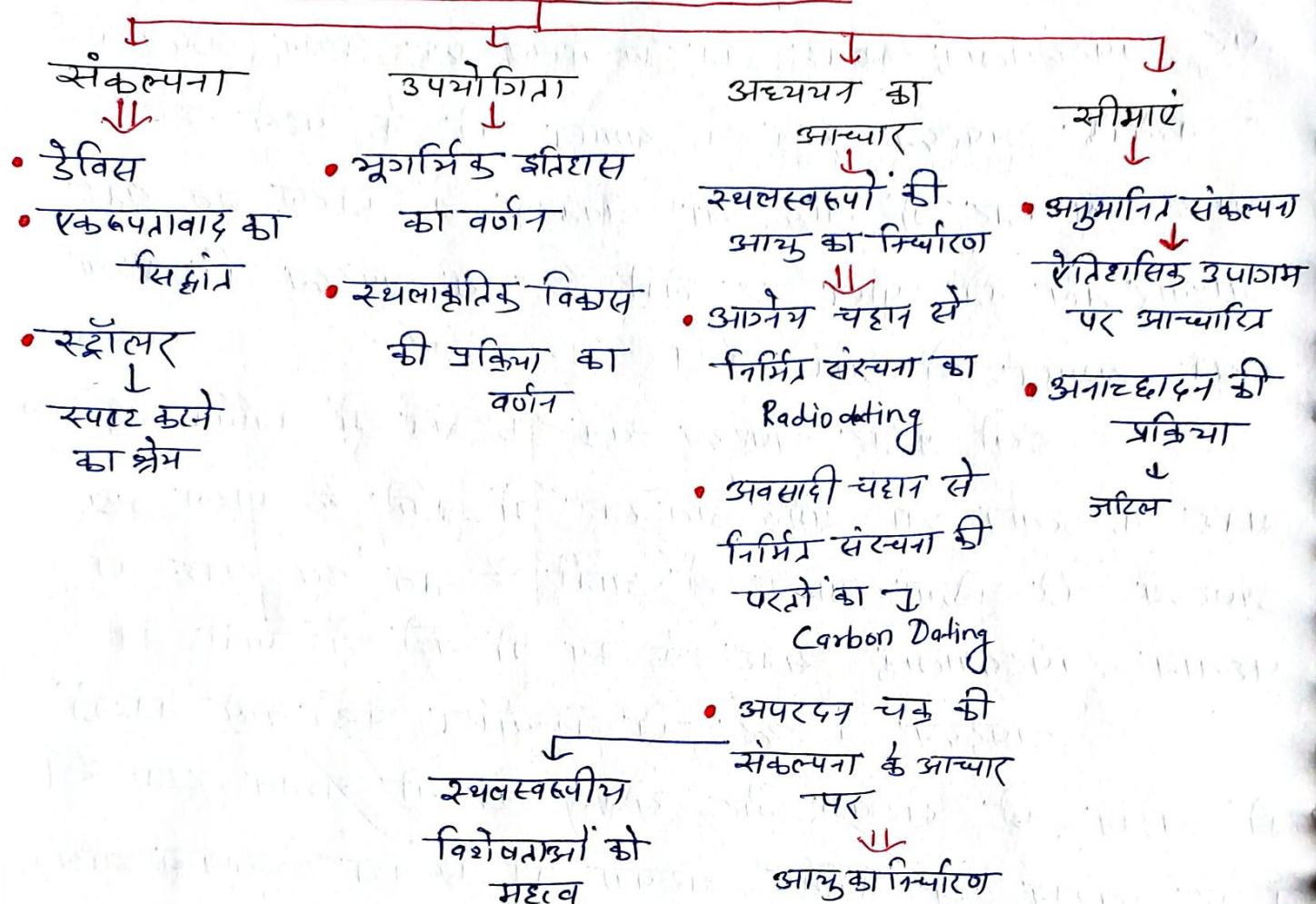


अनारक्षादान काल अनुक्रम

(Denudation Chronology)



→ बहिर्भूत भूसंचलन से संबंधित अनारक्षादान की प्रक्रिया का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में अध्ययन अनारक्षादान का लानुक्रम की संकल्पना पर प्राच्यादित् है। इस संकल्पना को स्पष्ट करने का श्रेय स्टॉलर को दिया जाता है जबकि इसके पासे पठले की ग्रोल वेताज्ञों ने भी ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में स्थलाकृति के विकास के अध्ययन को मद्दत दिया था।

→ इस में present "वर्तमान ही ग्रनाइट की कुंजी है" की संकल्पना के आचार पर अद्वारा किया गया वर्तमान में जो ग्रनाइटी घटनाएँ होती हैं ग्रनाइट में भी होती थीं केवल इनके तीव्रता में अंतर संभव है।

डेविस ने भी अपरदन घड़ की संकल्पना को स्पष्ट करते समय ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में स्थलाकृति के विकास के

विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन किया।

→ अनादेशासन काल अनुभूमि की संकल्पना के आन्ध्र पर किसी भी हथलस्वरूप के ग्रुगर्भितु इतिहास का वर्णन करने के साथ अग्री में दुर परिवर्तन की चारोंपाँच की जा सकती है। इस संकल्पना पर आन्ध्रार्थ अद्यतन के अंतर्गत घटान की संख्यना और संगठन की आनु का निर्धारण करने के लिए जीवाश्म का इतिहास और आन्ध्र और कामोंपरिग्र घटान से निर्मित संख्यना का Radio Dating किया जाता है वहीं जीवाश्म चुक्र अवस्थाएँ घटान से निर्मित संख्यना के विभिन्न परतों के जीवाश्म का Carbon Dating के द्वारा आनु को निर्धारित किया जाता है।

यहां तक कि अपरदन घट की संकल्पना पर आन्ध्रार्थ अद्यतन के द्वारा हथलस्वरूपीय विशेषताओं के अनुष्ठ अध्ययन के द्वारा विभिन्न अवस्थाओं को निर्धारित किया जाता है।

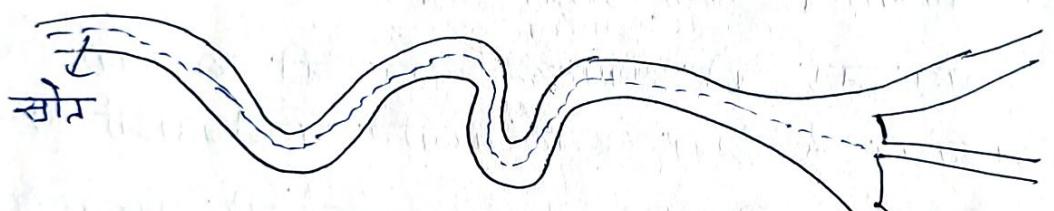
अनादेशासन काल अनुभूमि पर आन्ध्रार्थ अद्यतन ऐतिहासिक उपाग्रह पर आन्ध्रार्थ एवं अनुमानित संकल्पना है जिसमें 'कुर्टियों' के दोनों की संभावनाएँ बड़ी रूपी हैं वहीं अनादेशासन एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्षण में अनादेशासन के दो को निर्धारित करना भी एक जटिल प्रक्रिया है जिसका संबंध संख्यना के बाह्य कारकों के उपाप से ना होकर ग्रुगर्भितु संख्यना और संगठन के साथ अंतर्गत बल से भी होता है। इसलिए दी ऐतिहासिक परिप्रेक्षण में अनादेशासन के दो को निर्धारित करना भी एक जटिल कार्य है। अपवधारित स्तर पर जहां अनादेशासन की प्रक्रिया का ऐतिहासिक परिप्रेक्षण में अद्यतन एवं कठिन कार्य है वहीं संकल्पना पर आन्ध्रार्थ अद्यतन के द्वारा न केवल जटित में दुर परिवर्तन का

अपुमान लगाया जा सकता है बिल्कु वैज्ञानिक विषय की सदायता से किसी भी स्थलस्वरूप की घूगर्हित क्षिणियां का वर्णन किया जा सकता है।

जलचारा आकारिकी (Channel Morphology)

जलचारा ज्यामिति (Channel Geometry) जलीय ज्यामिति (Hydraulic Geometry) जलचारा के एकार (Shape of Channel) पार्श्व दाल और तल पर निर्दिश स्थलाकृतियाँ

जलचारा ज्यामिति



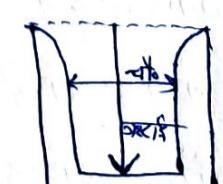
Channel Morphology | Geometry

अनुदैर्घ्य परिवर्तनिका
(Longitudinal Profile)

स्रोत से मुदाने तक
नदी की लंबाई

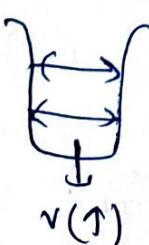
अनुप्रथ परिवर्तनिका
(Transverse Profile)

जलचारा की चौड़ाई
और गहराई का अन्वयन



जलीय ज्यामिति

→ जलचारा में उचाई दोनों ओर नदी में जल की मात्रा



जलधारा के प्रकार

चैनल की संरचना
और संगठन के
आधार पर वर्गीकरण

पहाड़ी पर्यावरण में
धारी के द्वेरा में

पर्यावरणीय स्तर में
धारी के द्वेरा में

जलोढ़कु

मैदानी क्षेत्र में

वक्रता सूत्रांक के

आधार पर
(Curvature Index)

सीधी (Straight) विलोप्त (Meandering) जुमिकर (Braided)



धारीगति का दर > जलांश अपरदन

जलांश अपरदन > उद्धरण अपरदन

वितरिकार (Distributaries)

अपरदन = निषेपण

जलधारा के पार्श्व दाल और तल पर निर्भर स्थलाकृतियाँ

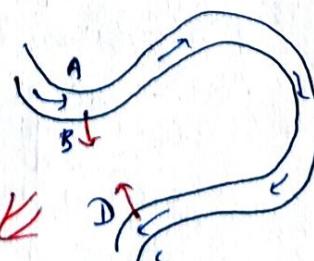
अवसादों का
निषेपण

उत्तर किनारा

अवतल किनारा

अपरदन का कार्य

॥

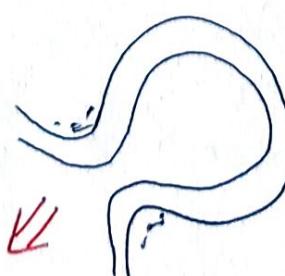


A. निप्पल (उडर)

B. कटबैंक (अवतल)

C. निप्पल

D. कटाव



OX-BOW LAKE

(जीभुर झील) → Bayous

(दलदल झील)

सख्त पर

MORT LAKE

